दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शुक्रवार 24 अप्रैल 2020 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-02, अंक- 204

महत्वपूर्ण एवं खास

जामा मस्जिद इलाके में एक ही परिवार के 11 लोग कोरोना संक्रमित

नईदिल्ली,(आरएनएस)। कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों के बीच अब दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में 11 लोगों को कोरोना से संक्रमित पाया गया है। ये सभी 11 लोग एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक इनमें से एक सदस्य विदेश से लौटा था जो बाद में कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। अब इसके बाद बाकी सदस्य भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इन सभी 11 लोगों को चारंटाइन कर लिया गया है।मामला जामा मस्जिद के पास गली हकीम जी का है। एक ही परिवार के 11 लोगों के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद पूरी गली और आसपास की गली-गलियारों को कॉर्डन ऑफ कर दिया गया है।

सुरक्षाबलों के हथियार अधिग्रहण प्रक्रिया पर लगी रोक

नई दिल्ली,(आरएनएस)। कोरोना वायरस संकट के बीच सुरक्षाबलों के नए हथियार अधिग्रहण प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई है। तीनों सेनाओं से कहा गया है कि कोविड-19 से उपजी परिस्थिति के सामान्य होने तक नए हथियार अधिग्रहण पर रोक लगा दें।रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि सैन्य मामलों के विभाग द्वारा एक पत्र लिखा गया है। जिसमें देश में कोविड-19 की स्थिति सामान्य होने तक सुरक्षा बलों को अपने नए हथियार अधिग्रहण प्रक्रियाओं पर रोक लगाने के लिए कहा गया है। सूत्र ने कहा सुरक्षाबलों को अलग-अलग चरणों में जारी अधिग्रहण प्रक्रिया को रोकने के लिए कहा है। इस समय अपने साजो-सामान के आधुनिकीकरण के लिए सुरक्षाबल हथियार अधिग्रहण के विभिन्न स्तरों पर है। भारतीय वायुसेना फ्रांस को 36 राफेल विमान का भुगतान करने की प्रक्रिया में है और उसे रूस को एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम के लिए भी भुगतान करना है। भारतीय सेना को अमेरिका और रूस सहित विभिन्न देशों से टैंक, आर्टिलरी गन और असॉल्ट राइफल खरीदनी हैं। जबकि नौसेना ने हाल ही में अमेरिका से 24 मल्टीरोल चॉपर खरीदने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। सरकार महामारी के प्रकोप के चलते कई करोड़ लोगों को खाना भी खिला रही है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में परिस्थिति से निपटने के लिए सरकार कई अन्य उपाय कर सकती है। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में रक्षा सहित कई मंत्रालयों से अपने आवंटित धन में से एक हिस्सा देने की उम्मीद की जा रही है।

(वाशिंगटन)विश्व में कोरोना प्रभावितों का आंकड़ा 26 लाख पार

वाशिंगटन,। कोरोनावायरस महामारी से ग्रसित लोगों का वैश्विक आंकड़ा एक लाख 83 हजार मौतों से अधिक के साथ 26 लाख के पार हो गया है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ने इस बात की जानकारी दी। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई) ने अपने नवीनतम अपडेट में खुलासा कर कहा कि दुनिया भर में गुरुवार सुबह तक कुल मामलों की संख्या 1,83,336 मौतों के साथ 26,27,630 थी।

अमेरिका 46,688 मौतों सहित कुल 8,41,556 मामलों के साथ कोरोनावायरस महामारी से प्रभावित देशों की सूची में सबसे ऊपर है। इसके बाद संक्रमण से ग्रसित सबसे अधिक मामलों वाले देशों में 2,08,389 के साथ स्पेन, 1,87,327 के साथ इटली का स्थान है। इसके बाद 1,50,648 और 1,34,638 मामलों के साथ क्रमशः फ्रांस और जर्मनी इस सूची में शामिल हैं।वैश्विक सबसे अधिक मौतों के मामलों में 25,085 मृत्यु के साथ इटली दूसरे, 21,717 मृत्यु के साथ स्पेन तीसरे, 21,340 के साथ फ्रांस चौथे और 18,100 मौतों के साथ ब्रिटेन पांचवें स्थान पर है।

किर्गिस्तान में कोरोना पीड़ितों की संख्या 631 हुई

बिश्केक,23 अप्रैल । किर्गिस्तान में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के 19 नये मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 631 हो गई है। देश की प्रतिक्रिया केन्द्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी है।प्रतिक्रिया केन्द्र ने बताया कि पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 19 नये मामले सामने आये है। इन संक्रमित मामलों में पांच स्वास्थ कर्मी भी शामिल है।

उन्होंने बताया कि देश में अबतक आठ लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है

कोरोना महामारी रोग अधिनियम 1897 में संशोधन हेतु अध्यादेश घोषित

नईदिल्ली,(आरएनएस)। वर्तमान में कोविड-19 महामारी के दौरान, सबसे महत्वपूर्ण सर्विस प्रोवाइडर्स यानी स्वास्थ्य सेवाओं के सदस्यों के साथ कई ऐसी घटनाएं घटीं जिसमें उन्हें निशाना बनाया गया और शरारती तत्वों द्वारा हमले भी हुए। ऐसा कर उन्हें उनके कर्तव्यों को पूरा करने से रोका गया। चिकित्सा समुदाय के सदस्य लगातार चौबीसों घंटे लोगों की जान बचाने के लिए काम कर रहे हैं फिर भी दुर्भाग्य से वे सबसे ज्यादा आसान शिकार बन गए क्योंकि कुछ लोग उन्हें वायरस के वाहक के तौर पर मानने लगे। इससे उन पर दोषारोपण के साथ उनका बहिष्कार करने के मामले सामने आए और कभी-कभी तो बेवजह हिंसा और उत्पीड़न की घटनाएं भी घटीं। ऐसे हालात चिकित्सा समुदाय को कर्तव्यों को पूरा करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ देने और मनोबल बनाए रखने में बाधा बनते हैं, जो इस राष्ट्रीय स्वास्थ्य संकट की घड़ी में बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य सेवा कर्मी बिना किसी भेदभाव के अपना काम कर रहे हैं तो समाज का सहयोग और समर्थन मिलना एक मूलभूत जरूरत है, जिससे वे पूरे विश्वास के साथ अपने कर्तव्यों को निभा सकें।

अतीत में कई राज्यों ने डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा कर्मियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए विशेष कानून बनाए हैं। हालांकि कोविड-19 के प्रकोप ने एक अलग स्थिति पैदा कर दी है, जहां सभी मोर्चों पर बीमारी के प्रसार को रोकने के काम में जुटे स्वास्थ्य कर्मियों का श्मशान घाट तक में उत्पीड़न हो रहा है। राज्य के मौजूदा कानूनों की सीमा और प्रभाव इतना व्यापक नहीं है। वे आमतौर पर घर और कार्यस्थल पर उत्पीड़न को इसमें शामिल नहीं करते और उनका ज्यादा फोकस केवल शारीरिक हिंसा पर रहता है। इन कानूनों में निहित दंडात्मक प्रावधान शरारतपूर्ण दुर्व्यवहार को रोकने के लिए सख्त नहीं हैं।

इस संदर्भ में केंद्रीय कैबिनेट ने 22 अप्रैल 2020 को हुई अपनी बैठक में महामारी के दौरान हिंसा के खिलाफ स्वास्थ्य सेवा कर्मियों और संपत्ति की सुरक्षा, जिसमें उनका रहना/काम करने का परिसर भी शामिल है, के लिए महामारी रोग अधिनियम 1897 में संशोधन के लिए एक अध्यादेश पारित करने को मंजूरी दी। राष्ट्रपति ने अध्यादेश पर अपनी सहमति भी दे दी है। अध्यादेश में ऐसी हिंसा की घटनाओं को संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध घोषित करने के साथ ही स्वास्थ्य सेवा कर्मियों को चोट लगने या नुकसान या संपत्ति को नुकसान, जिसमें महामारी के संबंध में स्वास्थ्य सेवा कर्मियों का सीधा हित जुड़ा हो सकता है, के लिए जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

वर्तमान अध्यादेश का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मौजूदा महामारी के दौरान किसी भी स्थिति में स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा और संपत्ति को लेकर जीरो टॉलरेंस होगा। आम जनता स्वास्थ्य कर्मियों के साथ पूरी तरह से सहयोग करती है।

अलग-अलग क्वारंटीन केंद्रों से 36 कोरोना संदिग्ध लापता

तलाश में जुटी पुलिस

नईदिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली के दो अलग अलग इलाकों में चारंटीन करके रखे गये कोरोना संदिग्धों में 35 से ज्यादा संदिग्ध हालातों में गायब हो गये। इन सबकी खोज जारी है। इसके लिए राष्ट्रीय राजधानी से जुड़े सीमांत राज्यों की जिला पुलिस को भी अलर्ट कर दिया गया है। साथ ही दिल्ली पुलिस ने भी इन संदिग्धों की तलाश के लिए कई टीमें गठित कर दी हैं।

दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक ये घटनाएं, ढका स्थित नगर निगम स्कूल (मुखर्जी नगर) और मॉडल टाउन स्थित आजादपुर कालोनी की है। मॉडल टाउन थाना क्षेत्र के आजादपुर कालोनी में 15 अप्रैल को 100 से ज्यादा कोरोना संदिग्धों को दाखिल करवाया गया था। मंगलवार की रात में किसी वक्त यहां से तीन-चार लोग गायब हो गये। जैसे ही मामले का पता चला वैसे ही सेंटर प्रभारी की तरफ से पुलिस को शिकायत दी गयी।दूसरी घटना मुखर्जी नगर इलाके के ढका सेंटर की बताई जाती है। यहां 16 अप्रैल के आसपास 125 से ज्यादा लोगों को दाखिल कराया गया था। यहां से सोमवार को रात में किसी वक्त मौका मिलने पर 30 से ज्यादा कोरोना संदिग्धों के रहस्यमय हालातों में गायब हो जाने का पता चला। इस घटना की सूचना भी सेंटर प्रभारी द्वारा संबंधित थाने को दी गयी।दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रहस्यमय हालातों में गायब हुए कोरोना संदिग्धों में कुछ नेपाली मूल के भी शामिल होने का पता चला है। सभी की तलाश की जा रही है। जांच इस बात की भी की जा रही है कि, आखिर यह सब भागे क्यों इन्हें भगाने में किसी अंदरुनी शख्स ने ही तो मदद नहीं की।

दो पालतू बिल्लियां में भी कोरोना संक्रमण की पुष्टि

न्यूयॉर्क,(आरएनएस)। कोरोना वायरस का खतरा हर रोज लगातार बढ़ रहा है। इस वायरस ने दुनियाभर में तकरीबन पौने दो लाख लोगों की जान ले ली है, जबकि 25 लाख से अधिक लोग इस वायरस की चपेट में आ चुके हैं। लगातार इस वायरस पर दुनियाभर के देशों में शोध चल रहा है। अभी तक माना जा रहा था कि बिल्ली और कुत्तों में यह वायरस नहीं पाया जाता है, लेकिन अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में दो बिल्लियों में कोरोना वायरस का संक्रमण पाया गया है। इस बात की आधिकारिक पुष्टि की गई है, कि दोनों बिल्लियों में कोरोना वायरस का संक्रमण है।

दुनिया के किसी भी देश में बिल्लियों में संक्रमण का यह पहला पुष्ट मामला है। जानकारी के अनुसार दोनों बिल्लियों को सांस लेने में कुछ दिक्कत है, लेकिन माना जा रहा है कि ये ठीक हो जाएंगी। माना जा रहा है कि ये बिल्लियां घर में ही किसी संक्रमित व्यक्ति से संक्रमित हुई थीं। यूएस के डिपार्टमेंट ऑफ एग्रिकल्चर एंड फेडरल सेंटर्स ऑफ डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन विभाग की ओर से इस बाबत जानकारी दी गई है। दरअल ब्रॉन्क्स जू में कुछ बाघ व शेरों में यह संक्रमण पाया गया था। उस वक्त अमेरिका की ओर से कहा गया था कि कुछ जानवरों को लोगों की वजह से कोरोना हुआ है, लेकिन पालतू जानवरों में इसके कोई संकेत नहीं है कि यह इंसान से संक्रमित हो रहे हैं। बता दें कि न्यूयॉर्क में 141235 कोरोना संक्रमण के मामले हैं। जबकि अकेले न्यूयॉर्क में कोरोना के चलते 15302 लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिका में अभी तक कुल 46 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। बता दें कि अमेरिका में अभी तक 46,000 से अधिक लोगों की कोरोना वायरस की वजह से मौत हो चुकी है, जबकि 8,48,994 लोग कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं।

कोरोना के जंग में आगे आई प्रथम महिला सविता कोविंद

खुद मास्क बना कर रहीं गरीबों की मदद

नई दिल्ली,(आरएनएस)। कोरोना वायरस संकट के इस दौर में हर कोई इस महामारी से खुद को और दूसरों को बचाने में लगा है। सरकार से लेकर आम नागरिक तक अपने-अपने स्तर से कोरोना के खिलाफ जंग में डटा है

और योगदान दे रहा है। इस बीच देश की प्रथम महिला सविता कोविंद ने भी मास्क बनाकर कोरोना से जंग में डटे रहने का संदेश दिया है। वह गरीबों के लिए मास्क सिल रही हैं।

इसका नजारा बुधवार को उस समय देखने को मिला जब उन्होंने राष्ट्रपति भवन के शक्ति हाट में सिलाई मशीन पर बैठकर खुद मास्क सिले। कोरोना के खिलाफ उनकी इस सादगी भरे प्रयास को देख हर कोई दंग रह गया। शक्ति हाट में शामिल लोग उनके इस पहल से काफी प्रभावित हुए।

देश की पहली महिला सविता कोविंद खुद कपड़े का बना लाल रंग का मास्क लगाए शक्ति हाट में मास्क सिलती नजर आई।

यह मास्क दिल्ली के अलग-अलग शेल्टर होम भिजवाए जाएंगे। सविता कोविंद की इस पहल के जरिए संदेश दिया है कि हर कोई कोरोना वायरस से लड़ सकता है। इस मुहिम में हर कोई अपना योगदान दे सकता है।

शक्ति हाट में हेल्थ एक्सपर्ट्स ने बताया कि कोरोना वायरस से बचने के लिए लोग सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। साथ ही वह भीड़भाड़ वाली जगहों में जाने पर मास्क जरूर लगाएं। इस समय कोरोना से बचाव के लिए बाजार में तीन लेयर वाले सर्जिकल मास्क, एन-95 मास्क व कपड़े के बने मास्क मिल रहे हैं।

बता दें कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नाम अपने संबोधन में कहा था कि लोग कपड़े से बने मास्क का इस्तेमाल करें।

पीएम मोदी ने खुद कई बार मुंह को गमछे से ढक सामने आ चुके हैं। पीएम मोदी ने कुछ दिनों पहले अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष से फोन पर बात की थी। इस दौरान पीएम ने उनसे कहा था कि वह ज्यादा से ज्यादा लोगों को मास्क के बदले गमछे का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करें।

कोरोना वैक्सीन से 80 फीसदी सफलता की उम्मीद

» ब्रिटेन-जर्मनी में शुरू हुआ सबसे बड़ा ट्रायल

लंदन,23 अप्रैल । चीन के वुहान से शुरू हुए कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में तबाही मचा कर रखी हुई है। दुनिया भर में 26 लाख से ज्यादा लोग इस वायरस के संक्रमण में आये हुए हैं। वहीं 1.80 लाख से ज्यादा लोगों की इस वायरस से जान जा चुकी है। देखा जाये तो इस जानलेवा वायरस ने अब तक पूरी दुनिया को दुख ही दुख दिये हैं। वहीं कोरोना वायरस के कहर से जूझ रही दुनिया को इस महामारी से निजात दिलाने के लिए आज से ब्रिटेन में दुनिया का सबसे बड़ा ह्यूमन ट्रायल शुरू हो गया है। ब्रिटेन में बेहद अप्रत्याशित तेजी के साथ शुरू होने जा रहे इस परीक्षण पर पूरे विश्व की नजरें टिकी हुई हैं। वैज्ञानिकों को उम्मीद है

कि ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी की वैक्सीन सीएचएडीओएक्स1 एनसीओवी-19 से आने वाले कुछ सप्ताह में चमत्कार हो सकता है। बता दें कि दुनिया में इस समय बेशक टीके को लेकर 150 परियोजनाएं चल रही हैं लेकिन जर्मनी और ब्रिटेन दुनिया के उन पांच देशों में शामिल हैं जिन्हें क्लिनिकल ट्रायल की इजाजत मिली है।

ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी 510 और जर्मनी का फेडरल इंस्टीट्यूट 200 स्वस्थ लोगों पर कोरोना के टीके का परीक्षण करेगी। जिन लोगों पर इसका ट्रायल किया जाएगा उन्हें 18 साल से 55 साल की श्रेणी में रखा गया है। ट्रायल के दौरान टीके की अलग-अलग किस्म को अलग-अलग लोगों को देकर यह देखा जाएगा कि ये वायरस को खत्म करने में कितना कारगर है।इसके दुष्परिणामों का भी अलग से परीक्षण किया जाएगा। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक का कहना है कि यह टीका कोरोना वायरस से लड़ने का एकमात्र कारगर तरीका है। टीके के ट्रायल के लिए लंदन के इंपीरियल कॉलेज को 2.25 करोड़ पाउंड की राशि उपलब्ध कराई जा रही है।ऑक्सफोर्ड की शोध निदेशक प्रोफेसर सारा गिल्बर्ट ने अनुमान लगाया कि टीके के सफल होने की लगभग 80 प्रतिशत संभावना है। ब्रिटेन टीके की तलाश में सबकुछ झोंकने के लिए तैयार है लेकिन एक रिपोर्ट के अनुसार इसे लेकर ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और ब्रिटेन के वायरोलॉजिस्ट को चिंता भी है।

वैज्ञानिकों को इस बात का डर है कि यदि इसमें कुछ भी गलत हुआ तो हजारों-लाखों लोग इससे प्रभावित हो सकते हैं। लैब की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी कई तरह के सवाल उठ रहे हैं।

सिंगापुर में भारतीय व्यक्ति की मौत

सिंगापुर,(आरएनएस)। सिंगापुर के एक अस्पताल में सीढ़ी उतरने के दौरान बेसुध होकर घायल हुए एक भारतीय नागरिक की गुरुवार को मौत हो गई। मीडिया ने इस बात की जानकारी दी।

द स्ट्रेट्स टाइम्स ने पुलिस की ओर से जारी बयान के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा, उन्हें सुबह लगभग 7.30 बजे खू टेक पूअट अस्पताल में अप्राकृतिक मौत के एक मामले की सूचना मिली।

पुलिस ने प्रारंभिक जांच के आधार पर कहा कि उन्हें हत्या का संदेह नहीं है ।

कांग्रेस बांटने वाली और सांप्रदायिक राजनीति कर रही:नकवी

कांग्रेस पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप

नई (आरएनएस)। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के बीजेपी पर नफरत का वायरस फैलाने का आरोप लगाने के बाद भगवा दल ने पलटवार किया है। बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि कांग्रेस बांटने वाली और सांप्रदायिक राजनीति कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस रचनात्मक राजनीति के बजाए जानबूझकर ये मुद्दे उठा रही है।

जावड़ेकर ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस जानबूझकर समाज में भेद पैदा कर रही है। यह भेद समाज को कमजोर करता है। हम ऐसे बयानों की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह वक्त सकारात्मक राजनीति का था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस वक्त वे सामने आते और सरकार का समर्थन करते, लोगों के लिए खाना बांटते और सरकार को सुझाव देते।

दूरसंचार विभाग द्वारा मुफ्त इंटरनेट का कोई प्रावधान नहीं

»15 अक्टूबर तक होटलों को बंद करने का निर्देश नहीं

»पीआईबी फैक्ट चैक का स्पष्टीकरण

नईदिल्ली,(आरएनएस)। प्रेस सूचना ब्यूरो की फैक्ट चेक यूनिट ने आज एक ट्वीट में स्पष्ट किया कि दूरसंचार विभाग 3 मई 2020 तक सभी यूजर्स को फ्री इंटरनेट नहीं दे रहा है। दरअसल, फैलाई जा रही फर्जी सूचना में दावा किया गया है कि सभी को घर से काम करने के लिए विभाग द्वारा फ्री में इंटरनेट दिया जा रहा है और दिए गए लिंक पर क्लिक करके इसका लाभ उठाया जा सकता है। पीआईबी फैक्ट चेक ने स्पष्ट किया है कि यह दावा झूठा और लिंक फॉड है।इस बीच, गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि वे मीडिया रिपोर्ट झूठी हैं जिसमें दावा किया गया है कि अगर कर्मचारियों का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आता है तो कंपनी के निदेशकों और प्रबंधन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके बजाय अगर नियोक्ता की सहमति, संज्ञान या लापरवाही से अपराध होता है तो दिशानिर्देश में दंड का प्रावधान है। इस बाबत पीआईबी फैक्ट चेक ट्वीट का लिंक देखा जा सकता है।एक अन्य काउंटर में, पीआईबी फैक्ट चेक ने अपना स्पष्टीकरण दोहराया है कि पर्यटन मंत्रालय ने कोरोनावायरस के प्रकोप के कारण 15 अक्टूबर 2020 तक होटलों को बंद करने का कोई पत्र जारी नहीं किया है। ह मंत्रालय के प्रवक्ता का स्पष्टीकरण के साथ किया गया ट्वीट लिंक पर देखा जा सकता है।पीआईबी की असम क्षेत्रीय यूनिट ने साफ किया है कि आईसीएमआर स्थानीय असमी लोगों की प्रतिरक्षा को लेकर किसी अध्ययन पर विचार नहीं कर रहा है।

कोरोना संकट पर अच्छे से निपट रही है मोदी सरकार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वॉरियर्स की हौसला आफजाई के लिए दो बार जनता से अपील की। उनकी अपील पर लोगों ने 22 मार्च को ताली, थाली, घंटी, शंख बजाए, फिर 5 अप्रैल को रात 9 बजे 9 मिनट के लिए घरों की बत्तियां बंद कर मोमबत्ती, टॉर्च, फ्लैश लाइट जलाए। अब ऐसी खबर आई है जिससे कोरोना के खिलाफ लड़ाई में खुद प्रधानमंत्री और उनकी सरकार के हौसले को बल मिलेगा, जनता के भरोसे का बल।

दरअसल हाल में किए गए एक सर्वे में कहा गया है कि 93.5 फीसदी भारतीयों को यकीन है कि मोदी सरकार कोरोना संकट से बहुत असरदार तरीके से निपट रही है। केंद्र सरकार ने 25 मार्च से 21 दिन के लिए देशव्यापी लॉकडाउन का ऐलान किया था जिसे 3 मई तक बढ़ा दिया गया है। सर्वे के मुताबिक लॉकडाउन के पहले दिन 76.8 फीसदी लोग मोदी सरकार पर भरोसा कर रहे थे। 21 अप्रैल तक 93.5 फीसदी देशवासी मोदी सरकार के कदमों से खुश हैं और उनका मानना है कि सरकार कोरोना संकट से प्रभावी तौर पर निपट रही है।

इसके अनुसार 16 मार्च से 21 अप्रैल के दौरान किए गए सर्वे में एक वाक्य लोगों के सामने रखा गया। यह वाक्या था कि मुझे लगता है कि सरकार कोरोना वायरस के संकट से अच्छी तरह से निपट रही है। 16 मार्च को 75.8 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें सरकार पर भरोसा है, लेकिन जब देश में लॉकडाउन का ऐलान हुआ तो ऐसा मानने वालों की संख्या बढ़ गई। कोरोना के खिलाफ महाजंग में पीएम नरेंद्र मोदी के योगदान की वैश्विक स्तर पर प्रशंसा हो रही है। अमेरिकी कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट ने पीएम मोदी को कोरोना के खिलाफ लड़ाई में नंबर 1 माना है। इस ग्लोबल टेक्नोलॉजी मीडिया कंपनी ने मार्च में वैश्विक नेताओं को लेकर एक सर्वे करवाया था। इस सर्वे में ट्रंप, पुतिन, जिनपिंग समेत सभी नेताओं को पीछे छोड़ते हुए पीएम मोदी को नंबर वन माना गया है। गौरतलब है कि पीएम मोदी भारत में ही नहीं बल्कि विश्व में कोरोना के खिलाफ जंग की अगुवाई कर रहे हैं। इस दौरान वे भारत में कोरोना की स्थिति की समीक्षा कर एक्शन लेने के अलावा अमेरिका, रूस समेत दुनिया के सभी देशों की मदद भी कर रहे हैं।अमेरिका में कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खासी आलोचना का सामना करना पड़ा। इस लिस्ट में ट्रंप 8वें स्थान पर हैं। उनकी पार्टी रिपब्लिकन के भी कुछ सांसद और राज्यों के गवर्नर ने कोरोना के खिलाफ उनकी रणनीति को बेकार बताया था।